



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 43]
No. 43]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 20, 2007/फाल्गुन 1, 1928
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 20, 2007/PHALGUNA 1, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2007

विषय :—कोरिया-आर.ओ.के. एवं रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसीटोन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 14/13/2006-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनके लिए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण), नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात नियम कहा जाएगा) के अनुसार मै0 हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि0 मुम्बई तथा मै0 शेनेक्टेडी हर्डिलिया लि0, मुम्बई (नया नाम मै0 एस आई ग्रुप इंडिया लि0) ने कोरिया- आर.ओ.के. एवं रूस (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसीटोन (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा जाएगा) के कथित पाटन के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष पाटनरोधी जांच शुरु करने हेतु एक याचिका दायर की है।

और यतः प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध देशों द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति एवं पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध मौजूद है, अतः प्राधिकारी कथित पाटन तथा उक्त नियमावली के नियम 5 के संदर्भ में घरेलू उद्योग को तदनन्तर हुई क्षति के विषय में एतद्वारा जांच शुरु करते हैं ताकि किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

घरेलू उद्योग

2. घरेलू उद्योग की ओर से मै० हिन्दुस्तान आर्गेनिक केमिकल्स लि० मुम्बई और मै० शेनेक्टेडी हर्डिलिया लि० मुम्बई ने टी पी एम कन्सल्टेन्ट्स, नई दिल्ली के जरिए याचिका दायर की है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार याचिकाकर्ता के पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने का अधिकार है।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद " एसीटोन " है जिसका कोरिया- आर.ओ.के. एवं रूस के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है।

4. एसीटोन एक आधारभूत कार्बनिक रसायन है जिसका उत्पादन सिंगल ग्रेड में किया जाता है। यह एक रंगहीन तरल है जिसकी ईथर के समान रुचिकर गंध होती है। इसको विलायक अथवा मध्यवर्ती के रूप में अनेक कार्बनिक संश्लेषणों में उपयोग में लाया जाता है। इसका उपयोग बल्क भेषजों, कृषि-रसायनों, रंजक तत्वों, कुछेक विस्फोटकों और डाउनस्ट्रीम रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन का उपयोग विशिष्ट रूप से आइसोफोरोन, डाई एसीटोन, एल्कोहल, मिथाइल मेथाक्रायलेट और बिशफेनॉल ए के विनिर्माण में किया जाता है। इसके अलावा, इसका उपयोग कुछेक रबड़ रसायनों अथवा ऑक्सी एसिथाइलीन सेल्यूलोस एसिटेट के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत उप-शीर्ष 29141100 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

5. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के "समान वस्तु" हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एसीटोन और संबद्ध देशों से हुए आयात भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यों एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय, तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। अतः जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एसीटोन को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित एसीटोन के समान उत्पाद माना गया है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच में शामिल देश कोरिया- आर.ओ.के. एवं रूस हैं।

सामान्य मूल्य

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का दावा, उद्गम के देशों में उपयोगिताओं के उचित मूल्यों के आधार पर प्रमुख निविष्टियों की प्रकाशित कीमतों और परिवर्तन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर किया है। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य पर विचार किया है तथा प्रारंभिक जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा इस पर विचार किया गया है।

निर्यात कीमत

8. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कोलकाता से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमतों का दावा किया गया है। निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यात के देशों में समुद्री भाड़े, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों, कमीशनों इत्यादि के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। निर्यात कीमतों तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

पाटन मार्जिन

9. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में अत्यधिक अंतर है अतः पाटन मार्जिन का परिकलन सौदा- दर- सौदा आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों की तुलना करके किया जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटन मार्जिनों का परिकलन सौदा- दर- सौदा आधार पर सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमतों की तुलना करके करेंगे। अतः हितबद्ध पक्षकार इस संबंध में अपेक्षित आंकड़े प्रस्तुत कर सकते हैं और अपने निवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

10. याचिकाकर्ता ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, गंवाई गई बिक्री और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई अत्यधिक गिरावट के कारण बाजार हिस्से में हुई गिरावट से हुई क्षति के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

जांच अवधि

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) 1 जुलाई, 2005 से 30 जून, 2006 तक की है। तथापि, क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2003- मार्च, 2004; अप्रैल, 2004- मार्च, 2005; अप्रैल, 2005- मार्च, 2006 तथा जांच की अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

12. संबद्ध ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों तथा घरेलू उद्योग को संगत सूचना निर्धारित प्रपत्र तथा पद्धति में प्रस्तुत करने हेतु अलग से लिखा जा रहा है। वर्तमान जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार निम्नलिखित पते पर पत्रव्यवहार कर सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
उद्योग भवन, नई दिल्ली- 110011

समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

15. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार प्रस्तुत गोपनीय सूचना के साथ नियम 7(2) के संदर्भ में उसका एक गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करेंगे।

16. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को उचित सिफारिशें कर सकते हैं।

डॉ. क्रिस्टी फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February, 2007

Subject :—Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Acetone originating in or exported from Korea-ROK and Russia.

No. 14/13/2006-DGAD.— M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai, and M/s Schenectady Herdillia Ltd., Mumbai (renamed as M/s SI Group-India Ltd.) have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Acetone (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Korea-ROK and Russia (hereinafter referred to as subject countries).

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods by the subject countries, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry

2. Application has been filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai, and M/s Schenectady Herdillia Ltd., Mumbai through TPM Consultants, New Delhi on behalf of the domestic industry. As per the evidence available applicant has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

55447/07-2

Product under consideration

3. The product under consideration is "Acetone" which is being dumped in the Indian market by the exporters from Korea-ROK and Russia.

4. Acetone is a basic organic chemical produced in single grade. It is a colourless liquid with an agreeable ether-like odour. It is used in numerous organic synthesis either as solvent or as an intermediate. It is used in manufacture of bulk pharmaceuticals, agro-chemicals, dyestuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is specifically used in manufacture of Isophorone, Diacetone, Alcohol, Methyl Methacrylate and Bisphenol A. Besides this, it is used in manufacture of certain rubber chemicals or Oxy Acethylene Cellulose Acetate. Acetone is classified under Chapter 29 of the Custom Tariff Act, 1975 under the sub-heading 29141100. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

Like Articles

5. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. Acetone produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. Therefore, for the purpose of investigation the Acetone produced by the applicant is being treated as **like articles** of Acetone imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

6. The countries involved in the present investigation are Korea-ROK and Russia.

Normal value

7. The Authority notes that the applicant has claimed normal value of subject goods in subject countries based on estimated cost of production by considering the published prices of major inputs and estimates of conversion cost by taking appropriate values of utilities in countries of origin. The Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in subject countries on the basis of estimated cost of production as made available by the applicant and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

Export Price

8. The export prices have been claimed on the basis of data obtained from Director General Commercial Intelligence and Statistics, Kolkata. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight in the countries of export, port handling and port charges, commissions etc to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export prices and the adjustments claimed by the applicant for the subject goods from the subject countries.

Dumping margin

9. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries. The domestic industry has claimed that there is a significant variation of prices of subject goods during POI, therefore, the dumping margin be calculated by comparing normal values and export prices on transaction to transaction basis. The Designated Authority may calculate the dumping margins by comparing normal values and export prices on transaction to transaction basis, therefore, interested parties may submit required data and make submissions in this regard.

Injury and Causal Link

10. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, price undercutting, price underselling, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicant caused by dumped imports from subject countries.

Period of investigation

11. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st July 2005 to 30th June 2006. The injury investigation period will however cover the periods April, 2003-March, 04, April, 2004-March, 2005, April, 2005-March, 2006 and the POI.

Submission of information

12. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority

(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Time limit

13. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

14. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

15. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

16. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

Dr. CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority